हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 14 अप्रैल 2025

11 खालसा पंथ सर्जना दिवस को बड़ी ही श्रद्धा के ...

12 बाबा साहेब का जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणा ...

खबर संक्षेप

पेनचेक सिलात में चेतना ने जीता कांस्य पदक

भिवानी। खेलो इंडिया नेशनल विमेन लीग पेनचेक सिलात खेल में 6 से 10 अप्रैल 2025 को (श्रीनगर)जम्मू कश्मीर में संपन्न हुए। कोच बीरू सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में चेतना तंवर सुपुत्री सतीश कुमार गांव हालुवास ने 65 किलो ग्राम भारवर्ग में खेलते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया है इस शुभ अवसर पर इसके गांव पहुंचने पर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर सभी खिलाड़ी निशु, मुस्कान ,ज्योति, ऋतु, साहिल, इशांत, गौरव , सैम इत्यादि मौजूद थे। पदक प्राप्त करने पर सभी ने चेतना को बधाई दी।

पुलिस ने क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाते दो युवक धरे

चरखी दादरी। स्पेशल स्टाफ टीम ने बीती रात आईपीएल मैच पर सट्टा लगाते दो युवकों को किया काबू किया है। पुलिस को सूचना मिली को बस स्टैंड रोड पर शोरूम के उपर कुछ युवक आईपीएल मैच में सट्टा लगा रहे हैं। जिसके बाद स्पेशल स्टाफ के हेड कांस्टेबल विकास के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने बस स्टैंड रोड पर शोरूम के उपर बने कमरे में दबिश दी तो तीन युवक सट्टा लगा रहे थे। पुलिस को देखकर एक युवक लैपटॉप लेकर दूसरी छत से कूदकर भाग गया, जबकि दो युवकों को काबू कर लिया। काबू किए युवकों की पहचान शहर के जैन मौहल्ला निवासी अमन मित्तल व हीरा निवासी रोहित उर्फ छोटू के रूप में हुई है। तीसरा युवक अमित रावलधी मौके से फरार हो गया है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। काबू किए गए युवकों से 4 मोबाइल बरामद किए हैं।

चेयरमैन अत्री ने सफाई को लेकर दिए निर्देश

बवानीखेड़ा। नवनियुक्त चेयरमैन सुंदर अत्री द्वारा नगर पालिका कार्यालय में सफाई कर्मचारियों की मीटिंग ली और कर्मचारियों को साफ निर्देश दिए कि शहर में सफाई व्यवस्था शत-प्रतिशत सही होनी चाहिए। सफाई कर्मचारियों की कमी बारे अधिकारियों से बातचीत करें इस व्यवस्था को दुरूस्त करने का कार्य किया जाएगा। वहीं उन्होंने सोमवार को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिसार आगमन में भी जनता से कार्यक्रम स्थल महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए निमंत्रण दिया। वहीं सफाई दरोगा प्रदीप कुमार ने बताया कि वे व उनकी टीम सफाई व्यवस्था के लिए हर समय तैयार है। कहीं भी गंदगी मिलने पर उन्हें सूचित किया जा सकता है ताकि समस्या का समाधान किया जा सके।

दादरी गेट पर पानी की समस्या को लेकर महिलाएं उतरीं सड़क पर, लगा दिया जाम

पुलिस के आश्वासन के बाद ही प्रदर्शनकारी महिलाएं जाम हटाने के लिए हुई राजी

भिवानी। जाम लगाने वाली महिलाओं को समझाते राहगीर और रास्ता रोक रहे लोगों को समझाती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, पीने के पानी की समस्या फिर से पैदा हो रही है। इसी के चलते भिवानी के दादरी गेट पर ढाणा रोड व दादरी गेट क्षेत्र के नागरिकों ने रविवार को जाम लगा दिया तथा प्रशासन से पानी की सप्लाई छोड़े जाने की मांग की। नागरिकों का आरोप था कि पिछले 10 दिनों से उनके घरों में पानी नहीं आ रहा है, जिसके चलते उन्हे भारी परेशानी हो रही है।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को उनकी समस्या का तत्काल समाधान करवाए जाने का भरोसा दिलाया। तब जाकर प्रदर्शनकारी महिलाए जाम हटाने को राजी हुई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वे फिर से सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे। सुबह दस बजे दादरी गेट इलाके की महिला व पुरुष सड़क पर उतर आए। महिलाओं ने मानव श्रृखंला बनाकर वाहनों को रोकना आरंभ कर दिया। जाम लगने के कुछ देर बाद ही मार्ग के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लंबी

■ प्रदर्शनकारी महिलाएं बोली- दस दिन से नहीं आ रहा पानी

कतारें लग गई। जाम की सूचना मिलते जैन चौक चौकी पुलिस पहुंची। पुलिस ने महिलाओं से जाम हटाने के लिए कहा,लेकिन महिलाओं ने जाम खोलने से इंकार कर दिया। महिलाओं का तर्क था कि उनके इलाके पिछले कई महीनों से पीने के पानी की समस्या बनी है। कई बार शिकायत के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उनको एक सप्ताह में दूसरी बार सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। क्षेत्र की महिलाओं ने बताया कि उनके क्षेत्र में 10 दिनों से पानी की परेशानी है। सुबह उठते ही उन्हे मुह धोने के लिए भी पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा। अप्रैल में फिर से स्कूल लगने लगे है। उन्होंने कहा कि दादरी गेट के इस क्षेत्र में अधिकत्तर दिहाड़ी करने वाले लोग रहते है।

800 रुपये में आता है टैंकर

प्रदर्शनकारी महिलाएं बोली 800 से एक हजार में मिलने वाले टैंकर को नहीं खरीद सकते, बल्कि उन्हें अपनी रोज की मजदूरी का काम छोडक़र दूर-दराज के क्षेत्रों से हैडपंप से पानी लाकर गुजारा करना पड़ रहा है। इसीलिए उन्होंने आज मजबूरी में रोड़ जाम किया है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने उन्हे कहा कि वे उनके घरों में पानी सप्लाई आने तक टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचा देंगे, लेकिन बहुत सी गलियों में टैंकर पहुंचना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि उनकी समस्या हल नहीं हुई तो वे फिर से दादरी गेट, कोंट रोड़ व ढ़ाणा रोड़ के निवासियों के साथ मिलकर जाम लगाने को मजबूर होंगे। इस मौके पर जाम खुलवाने पहुंचे पुलिस अधिकारी सुरेश ने बताया कि दादरी गेट के क्षेत्र के लोगों ने यहां पर लगभग आधे घंटे तक जाम लगाया।

क्रिकेट व आरचरी खेल नर्सरी के लिए ली ट्रायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हांसी रोड़ स्थित चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय की पुरानी बिल्डिंग में क्रिकेट खेल नर्सरी और आरचरी खेल नर्सरी में 8 से 19 आयु वर्ग के खिलाड़ियों के चयन हेतु ट्रायल का आयोजन किया गया। यह ट्रायल सीबीएलयू कुलपति डा. दीप्ति धर्माणी और खेल विभाग एचओडी सुरेश कुमार देखरेख में किया गया। ट्रायल में भाग लेने वाले 75 क्रिकेट व 45 आरचरी के खिलाड़ियों का एसिस्टेंड प्रो. अनुराग सचान, कोच अनिल राहड़, बजरंग यादव व आरचरी कोच अमूल्य आनंद ने फिटनेस व स्किल टेस्ट लिया।

- क्रिकेट के लिए 75 और आरचरी के लिए 45 खिलाड़ियों ने ट्रायल दिया
- 8 से 19 आयु वर्ग के खिलाड़ियों के चयन हेतु ट्रायल का आयोजन किया
- ट्रायल के बाद 40 लड़के और 10 लड़कियों का चयन
- चयनित होने वाले अंडर 14 के खिलाड़ियों को 1500 रुपये प्रति माह तथा अंडर 19 आयु वर्ग वाले खिलाड़ियों को 2 हजार रुपये प्रतिमाह सरकार द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी

इस टैस्ट के आधार पर 25-25 खिलाड़ियों का चयन किया गया। जिसमें 40 लडक़े व 10 लड़कियों का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि यह ट्रायल बिना किसी भेदभाव के की गई है। इस ट्रायल में चयनित होने वाले अंडर 14 के खिलाड़ियों को 1500 रुपये प्रति माह तथा अंडर 19 आयु वर्ग वाले खिलाड़ियों को 2 हजार रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

भाविप की छत्रपति शिवाजी शाखा के पदाधिकारियों ने ग्रहण किया दायित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

सेवा, संस्कार, सहयोग और सद्भावना के संदेश को सार्थक करने वाले भारत विकास परिषद की स्थानीय शिवाजी शाखा के नए पदाधिकारियों ने रविवार को दायित्व ग्रहण कर लिया।

संगठन के पश्चिमी प्रान्त अध्यक्ष राजेश गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. राजीव वत्स, सचिव मा. पवन स्वामी, कोषाध्यक्ष संपत्ति देवी ने दायित्व ग्रहण किया। कार्यक्रम अध्यक्ष राजेश गुप्ता

ने संगठन के कार्यों और गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि भारत विकास परिषद की स्थापना 1968 में हुई थी और आज देश भर में इसकी 1600 से अधिक शाखाएँ है जो बच्चों को आदर्श नागरिक बनाने, समाज में समरसता, संस्कार विकसित करने, पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभा रही है। शाखा के निवर्तमान सचिव मुकेश शर्मा ने गत वर्ष का लेखा जोखा और संगठन की गत वर्ष की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शाखा संरक्षक वासु मतानी ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी और पदाधिकारियों और सदस्यों ने शपथ भी ली। कार्यक्रम में अशोक शर्मा, जितेन्द्र भारद्वाज, सुशील शर्मा, राजकुमार महेंद्रगढिया, पार्षद अजय शर्मा, पार्षद अंतर सिंह, रवि केडिया, राजेश सैनी, विपिन सैनी, पवन पीजी, प्रतिनिधि रामबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

शिक्षक लीलाराम वर्मा को किया सम्मानित

■ नई दिल्ली के मयूर विहार स्थित होटल क्राउन प्लाजा में इंटरनेशनल अचीवर अवार्ड से नवाजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

उपमंडल के गांव ढाणी गंगाबिशन के राजकीय प्राथमिक पाठशाला में कार्यरत शिक्षक लीलाराम वर्मा को हाल ही नई दिल्ली के मयूर विहार स्थित होटल क्राउन प्लाजा में ब्रैंडमैन इंडिया द्वारा आयोजित इंटरनेशनल अवार्ड सम्मेलन में इंटरनेशनल अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

उनको यह सम्मान सुप्रसिद्ध बॉलीवुड फिल्म अभिनेता महाभारत सीरियल में

लोहारू। शिक्षक लीलाराम को सम्मानित करते पुनीत ईस्सर और पदमश्री अवार्ड जितेंद्र सिंह।

दुर्योधन की भूमिका निभाने वाले पुनीत ईस्सर तथा पदमश्री अवार्डी जितेंद्र सिंह शन्टी के द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर प्रदान किया गया। शिक्षक लीलाराम वर्मा को यह सम्मान उनके द्वारा शिक्षा,लेखन एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया है। मा. लीलाराम वर्मा ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान सम्मेलन में 12 देशों के शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजनेस, लेखन एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कई विभूतियों को सम्मानित किया गया। बॉलीवुड अभिनेता पुनीत ईस्सर तथा पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित जितेंद्र सिंह शन्टी मुख्य अतिथि के तौर पर इस सम्मेलन में सम्मिलित हुए और सम्मेलन की अध्यक्षता ब्रैडमैन इंडिया के अध्यक्ष अंकित कौशिक ने की। गौरतलब है कि शिक्षक लीलाराम वर्मा को शिक्षा, लेखन तथा समाज सेवा के कार्यों में अपना उत्कृष्ट योगदान देने के लिए अब तक कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मानित किया जा चुका है।

टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 9वें दिन भी रहा जारी पहले मैच में खरक ने चांग को दी पटकनी

भिवानी। रणजी खिलाड़ी स्व. अमित वशिष्ठ की याद में अमित वशिष्ठ फाउंडेशन द्वारा गांव रेवाड़ीखेड़ा स्थित ठाकुर आजाद सिंह स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में 11 दिवसीय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट रविवार को 9वें दिन भी जारी रही। यह जानकारी देते हुए अमित वशिष्ठ फाउंडेशन के अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के 9वें दिन सभी खिलाडियों ने प्रतिद्वंद्वी टीम को हराने के लिए खेले। इस मौके पर बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे दयाराम पटवारी ने किया। मैच की जानकारी देते हुए जितेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि पहला मैच पहला मैच चांग और खरक के बीच हुआ। जिसमें चांग ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 156 रन बनाए। सर्वाधिक रन हैप्पी ने 44 रन और 34 रन पंकज ने बनाए। गेंदबाजी में प्रियव्रत ने 3 विकेट और 2 विकेट कैफ ने लिए। खरक ने स्कोर का पीछा करते हुए 15 ओवर में मैच जीत लिया। सर्वाधिक रन 28 गेंद में 56 रन शशीकांत फौजी ने और अजय ने 45 रन बनाए। उन्होंने बताया कि दूसरे मैच का शुभारंभ संगीत शर्मा ने किया। जो कि चांग और रोध की टीम के बीच हुआ। रोध ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 164 रन बनाए। नकुल ने 37 रन और अशोक ने 38 रन, प्रिंस ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। स्कोर का पीछा करते हुए चांग 109 रनों पर ऑल आऊट हो गई। प्रवीण ने सर्वाधिक 27 रन बनाए। नितिन मैन ऑफ दि मैच रहे। इस अवसर पर नारायण पंच, बलबीर, विजय कुमार, प्रदीप फौजी, बृजपाल तंवर, दुष्यंत वशिष्ठ, दीपक परमार, संजय निमड़ी सहित अन्य खेलप्रेमी मौजूद रहे।

हनुमान जी के जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिलता हैः पवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन प्रो. डॉ पवन कुमार ने कहा की हनुमान जयंती के पर्व बड़ी ही धूमधाम के साथ देश भर में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा की हनुमान जी के जीवन वृतांत से हमे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। हनुमान जी का जीवन बेशक धार्मिक था लेकिन उनके जीवन से हमे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा की रामायण में लिखा है कि यदि हनुमान जी को याद दिलाया जाता कि आप ये काम कर सकते हो तो वे कर देते थे वैसे ही मानव को भी हार नहीं माननी चाहिए। इंसान अच्छा सोच कर अपने जीवन को अच्छा बना सकता है। चेयरमैन डॉ पवन कुमार सुई के

बवानीखेड़ा। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. पवन कुमार।

एकल ग्रामोंउत्थान संस्था द्वारा में आयोजित हनुमान जयंती के कार्यक्रम में बतौर मुख्यथिति बोल रहे थे। कार्यक्रम की शुरुवात हनुमान चालीसा से की गई। इस मौके पर संस्था के चेतन दास वलेचा, सुमन, कुसुम ,अश्वनी, शिक्षा बोर्ड में सहायक अशोक कुमार सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

चरखी दादरी। हरियाणा ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल का स्वागत करते। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

हरियाणा ओलम्पिक संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष कैप्टन जसविंद्र मीनू बेनीवाल ने कहा कि हरियाणा में खेलों और खिलाड़ियों के सुधार और तकनीकी दक्षता पर काम किया जाएगा। हरियाणा ओलम्पिक गेम्स करवाना उनकी प्राथमिकताओं में शुमार है। खिलाड़ियों की डाइट से लेकर खिलाड़ियों के कौशल में निखार और धार लाने का काम हरियाणा ओलंपिक संघ करने वाला है। जसविंद्र मीनू बेनीवाल रविवार को दादरी विधायक सुनील सांगवान के निवास पर पहुंचे और लोगों से बातचीत की।

इस दौरान विधायक सुनील सांगवान व बाढड़ा विधायक उमेद पातुवास की अगुवाई में कई सामाजिक संगठनों ने संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष मीनू बेनीवाल का स्वागत किया। मीनू बेनीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भारत वर्ष 2036 में होने वाले ओलंपिक गेम्स की मेजबानी करने को तैयार है। इसके लिए हमारा दावा भी मजबूत है। उन्होंने कहा कि भारत में संभावित 2036 के ओलम्पिक गेम्स के लिए हरियाणा की तैयारियां की जाएंगी। हर खेल के खिलाड़ियों को बेहतर कोच और अंतरराष्ट्रीय अनुभव दिलाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'हरियाणा एक, हरियाणवी एक के भाव' के साथ निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ काम करेंगे और खिलाड़ियों के हुनर में निखार लाने के मकसद से हरसंभव कदम उठाएंगे। कैप्टन मीनू बेनीवाल ने कहा कि किसी भी खेलों में भी भेदभाव नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर जिला चरखी दादरी बैडमिंटन एसोसिएशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सुरेश गोयल, डॉ विजय शर्मा, उपप्रधान सुनील गर्ग,महासचिव लोकेश गुप्ता व नरेश सैनी आदि मौजूद थे।

संत कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

बाहरी आचरण वैसा ही होगा जैसा हमारा अंतर्मन होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सत्संग का पूर्ण लाभ संत सतगुरु के चरणों में बैठकर परमात्मा के गुणों का बखान करने से ही मिलता है। बाहरी सफाई तो हम थोड़े से जतन से ही कर लेते हैं परंतु अंतर की सफाई के लिए विशेष जतन करना पड़ता है।

यह सत्संग वचन बैसाखी के अवसर पर परमसंत सतगुरु कंवर साहेब ने हांसी के भिवानी रोड पर स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाए। हुजूर कंवर साहेब महाराज ने उपस्थित संगत की विशाल हाजरी को बैसाखी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सबसे पहले आप अच्छे गुणों को अपनाओ। मन की शुद्धता पर बल दो। मन की शुद्धता हमारे बाह्य आचरण से प्रकट होती है क्योंकि बाहरी आचरण वैसा ही होगा जैसा हमारा अंतर्मन होगा। उन्होंने कहा कि जब तक हमारे भाव शुद्ध नहीं हैं तब तक हम परमात्मा के समीप नहीं जा सकते। आज के समय में विषयों को ही विष कहा गया है। अगर जीना चाहते हो तो विषयों से बचो । गुरु महाराज ने कहा कि यह रूह अपने पिता से बिछुड़ी है। परमात्मा की

विरह इसको बेचैन रखती है और इसी बेचैनी का लाभ काल और माया उठाते हैं। जो काल और माया के फेर में नहीं आते वो अपने विरह को परमात्मा की खोज से ही शांत करते हैं। सतगुरु परमात्मा का ही रूप हैं इसलिए रूह की विरह सत्संग से ही शांत हो सकती है। हुजूर ने फरमाया कि आज समाज में अनेकों कुरीतियों ने जड़ जमा ली है। चरित्र के मामले में नशे विषयों के संदर्भ में और दूसरे लोभ लालच में इंसान दिन ब दिन गिरता जा रहा है। ऐसे में इंसान को रास्ता तो वो अपनाना चाहिए जिसपर चलकर वह इन गफलत से निकल सके परंतु इंसान चुनता भी वही रास्ता है जो इस दलदल में उसे और उलझाता है।

सत्संग हर व्याधि का इलाज

सत्संग हर व्याधि की इलाज है। किसी पूर्ण संत का सत्संग आपको पथभ्रष्ट होने से बचाता है। उन्होंने कहा कि इतने सत्संग कथाएं हो रही हैं। इतने समाज सुधारक प्रयास कर रहे हैं फिर भी समाज उन्नत नहीं हो रहा,इसका कारण क्या है। इसका कारण है हमारा दूषित आपा। उन्होंने कहा कि माफ करना भी सीखो और माफी मांगना भी। वाद विवाद में कोई लाभ नहीं है। कोई आपको कटु वचन बोलता है और आप भी यदि बदले में कटु वचन बोलते हैं तो आपने केवल उस गलत बात को बढ़ावा ही दिया है। बात तो तब सुलझती है जब आप कटु वचन के बदले मृदु बात करते हैं।उन्होंने कहा कि सज्जन व्यक्ति के लिए हार जीत कोई मायने नहीं रखती। कुशब्द को सहना सीखो क्योंकि आपकी सहनशीलता वाद विवाद को समाप्त करती है। जितने भी संत महात्मा फकीर हुए सबने अपने व्यक्तित्व में इस खूबी को बढ़ाया तभी उन्होंने परमात्मा का संग किया।

मित्रता की सच्ची परीक्षा संकट में नहीं, उत्कर्ष में होती है। जो मित्र के उत्कर्ष को बर्दाश्त कर सके, वही सच्चा मित्र होता है।
- हरिशंकर परसाई

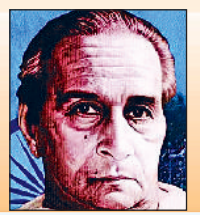

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।' 'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

कहानी
आशा खत्री 'लता'

अपने देश में

बाहर खिड़की से झांकते हुए अपने देश की शस्य- श्यामला धरती पर उगे हरे-भरे जंगलों, पहाड़ों को देखकर पिछले बहत्तर घण्टों में पहली बार उसके दिल को सुकून और मुख पर मुस्कान आयी थी। धरती पर तने नीलाम्बर को देख यूँ प्रतीत हो रहा था जैसे वह धरती का प्रहरी बन अड़ा खड़ा है। उसे लगा धरती, उस पर उगे पेड़-पौधे, आकाश और उसमें तैरते बादल, कभी पेड़ों के पत्तों और कभी बादलों के झुरमुट को उड़ाती पवन सबका आपस में गहरा रिश्ता है। सबका सुख-दुःख साझा है। दुःख, दर्द, पीड़ा, खुशी में सब एकत्रित होकर दुःखी को घेरकर ढाँढस बंधाते हैं, उसके दर्द को आत्मसात कर घटा देते हैं, बाँट लेते हैं।

विमान रनवे पर उतरने लगा था, उसे लगा कि पिछले 72 घण्टे से जिस दर्द के जाल में फँसकर वह फड़फड़ा रहा था, अब वह उसकी पकड़ से बाहर आ रहा है। माँ का हाथ थामे वह जैसे ही आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बाहर आया, उसे कई परिचित चेहरे दिखाई देने लगे। जिन्हें देख माँ के मुँह से एकाएक शब्द फूटे-

'देख हेमंत।'

'हाँ माँ देख रहा हूँ, कृष्ण चाचा, शमशेर मामा, रोहित और अभिनव को।'

'हाँ' होंठ खुलने के साथ ही माँ की आंखें भर आई। हेमंत जिसे घर में सब प्यार से हनी कहते हैं अनुभव कर रहा था कि माँ तो जैसे इन तीन दिनों में ही पचपन की यंग लेडी बहत्तर की बुढ़िया हो गयी है। पापा हमेशा माँ को यंग लेडी ही तो कहा करते थे। क्योंकि वे थी ही ऐसी, बिलकुल लड़कियों-सी। आज वही हँसती-मुस्कुराती, ऊर्जा से ओत-प्रोत यंग लेडी 72 घण्टों में ही जैसे दुःख, दर्द उदासी की प्रतिमूर्ति बन गयी हैं। इन्हीं विचारों में डूबा वह सामने खड़े रिश्तेदारों तक पहुंचा तो देखा कि मामा ने तेज कदमों से आगे बढ़कर अपनी बहन को बाहों में भर लिया। उसे भी चाचा ने जिस अपनेपन से आलिंगन में लिया, वह अपनत्व की अनुभूतियों का चरम बिन्दु था।

'क्या हुआ तेरा पापा जो चला गया, मैं हूँ ना, तुझे कभी उसकी कमी अनुभव नहीं होने दूँगा।' कृष्ण चाचा ने सरगोशी की।

'जी चाचा जी, मैं समझता हूँ आपकी भावनाओं को, आपके स्नेह को।' उसने भर्राए स्वर में कहा।

'देख हनी, वह मेरा भाई था, तू उसके जिगर का टुकड़ा था तो हम दोनों भी एक ही जिगर के टुकड़े थे, एक माँ का दूध पिया, एक माँ के पेट से जन्म लिया। वह तो भाई की विदेश जाने की जिद थी वरना हम कभी अलग नहीं रहे। उसके चले जाने का दुःख मुझे मार डाल रहा है। परन्तु मैं उसको तुझमें देख रहा हूँ और तू भी उसको मुझमें अनुभव करना बेटे।' कहते हुए शमशेर चाचा की रुलाई फूट पड़ी।

माँ मामा से लिपटकर बिलख पड़ी थी। जैसे किसी नीर से लबालब भरी नदी पर बंधा बांध टूट गया हो।

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।'

'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

'मेरे घर की खुशियों को मेरी ही नजर लग गयी भाई। पहले दिन ही तो मैंने कहा था कि भगवान ने हमें सब कुछ दे दिया। अब हमें और क्या चाहिए। भगवान ने ऐसा क्यों किया भाई, भगवान ने उन्हें इतनी जल्दी क्यों बुला लिया?'

'चुप हो जा मेरी बहन, भगवान ने जिसकी जितनी साँसें लिखी हैं हम न उनसे एक अधिक ले सकते हैं न कम।'

आते-जाते लोग हमें देख रहे थे। हम अभी उनसे बेखबर थे। अतः इसकी ओर ध्यान दिलाते दोनों चचेरे भाइयों ने हमें सहारा देते हुए गाड़ी में बैठाया। सामान वे पहले ही रखवा चुके थे।

गाड़ी में बैठने के बाद भी मम्मी, मामा से रोते-रोते बातें करती रही। उनकी रुलाई उनके रोकने के प्रयास के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रही थी। मैं जो पिछले तीन दिनों के घटनाक्रम पर माँ की चुप्पी को उनकी बहादुरी समझ रहा था। अब देख रहा था उनके बिखर जाने को। शायद यह अपनों के साथ

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था। मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

का असर था। वहाँ हम अकेले थे। पापा ने उस दिन शाम को छाती में दर्द अनुभव किया तो हमने कहा चलो आपको डॉक्टर के पास ले चलते हैं।

'नहीं, हनी अब तो अपने देश जाकर ही दिखाऊंगा।' अपने देश लौटने के उनके उत्साह के आगे हम सब बार-बार आग्रह करके भी मौन साधने को विवश हो गए। अब सोचता हूँ यह मौन हमें कितना भारी पड़ा? काश! हम पापा के उत्साह के आगे हथियार नहीं डालते। रात को ही पापा छाती में मामूली से दर्द के बाद हम सबको छोड़कर चले गए। एकाएक जो हुआ उसे देख हमारे हाथ-पाँव फूल गए। इस सबके बावजूद माँ ने हिम्मत दिखाते हुए कोमल को नन्हें कुशल के साथ कमरे में ही रहने का आदेश दे दिया।

मुझे एकाएक बुआ के बेटे सचिन का ध्यान आया जो हमसे पन्द्रह मिनट की दूरी पर ही रहता था। वही अमेरिका में हमारा एकमात्र अपना, दोस्त, खैरख्वाह था। उसे सूचना दी तो वह आधे घण्टे में ही हमारे पास पहुँच गया। परन्तु वह भी वहाँ इस तरह की स्थिति से कभी न गुजरा था। हम सब बहुत ही असहाय अनुभव कर रहे थे। मैं और माँ कभी पापा को छूते, कभी उनसे लिपटते और ईश्वर से बारम्बार प्रार्थना करते कि काश! वे अब भी पापा की सांसें लौटा दें, काश! वे अब भी उठ बैठें।

अपना देश तो सात-समंदर पार था और हम नहीं जानते थे कि इस अनजानी जगह पर हम पापा की पार्थिव देह का अंतिम संस्कार कैसे और कहाँ करें। आज यह सुन्दर और आकर्षक मुल्क हमारे लिए नितान्त अजनबी हो गया था।

इस बीच सचिन ने अपने एक दोस्त के माध्यम से एक पण्डित का पता लगा लिया, जिनसे संपर्क कर हमें आगे की कार्रवाई और पापा के संस्कार के लिए मार्गदर्शन और सहयोग मिला। उनके प्रयासों से जैसे-तैसे अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। अगले ही दिन हम तय कार्यक्रम के अनुसार भारत के लिए चल पड़े। यह भी किसी ईश्वरीय शक्ति की कृपा मैंने हम पर अनुभव की कि हमारी टिकटें पहले से बुक थी।

इस दौरान हमने जो अकेलापन अनुभव किया, वह हम माँ बेटों के लिए जीवन का सबसे कटु अनुभव था, जिसमें हमने अपनों के साथ होने की आवश्यकता को हर पल शिद्दत से महसूस किया। यही तड़प निरन्तर मन को कचोटती रही कि काश! कोई अपना आकर गले से लगा ले तो हम जी भरकर रो लें। परन्तु वहाँ ऐसा कोई न था जो हमारे इस घोर दुःख में मन का साथी बनता। यहाँ अब जब अपनों ने गले लगाया तो उनके आलिंगन की ऊष्मा ने दिलों में जमे दर्द के पत्थर को पिघला दिया। आँखें रास्ता बन गयी और वह वेग से बाहर बहने लगा।

एक घण्टे का सफर तय कर बोलते-बतियाते, उन अथाह दुखों के पलों को अपनों से साझा करते हम दोनों की हालत पहले से कुछ-कुछ ठीक हो चुकी थी। गाँव में प्रवेश किया तो लोग रुक-रुक कर, एक तरफ होकर गाड़ी को रास्ता देने लगे। उनके व्यवहार में सम्मान और अपनत्व की झलक थी जैसे सारे गाँव को पता हो कि महेश को खोकर उसके बालक गाँव लौटे हैं।

अपनी गली में मुड़े तो पूरी गली लोगों से भरी हुई थी। यहाँ भी लोगों ने बड़े स्नेह से हमारी गाड़ी को रास्ता दिया। घर के सामने पहुँचकर तो घर-कुनबे और रिश्तेदारों ने हमें घेर लिया। बुआ चाची, मौसी, भाभी, चचेरे, ममेरे, फुफेरे जैसे सब रिश्तेदार हमारा दुख बाँट लेने को आतुर थे।

बड़ी बुआ से माँ का सदैव से गहरा स्नेह रहा है उनसे लिपटकर तो माँ बिलख ही पड़ी 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी'

ऐसे द्रवित कर देने वाले उद्गारों से बुआ भी अपना धैर्य खो रही थी

'कहाँ छोड़ आई विमल मेरे भाई को, मेरे महेश को।'

'तू तो शांति रख यशवंती, इसे सम्भाल। ले पानी पी और अपनी भाभी को पिला। देख क्या हाल हो गया है इन माँ-बेटों का।' पिता की चाची ने दोनों को समझाते हुए कहा।

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था।

मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

उधर, आज विमला को यह पानी भी अमृत लग रहा था। वह भी यही मन बना रही थी कि अब वे यही रहेंगे अपने देश में, अपनों के बीच।

लघुकथा
शकुंतला अग्रवाल शकुन

भिखारी

सुरेन्द्र जी ने अपने बेटे (पियूष) की पढ़ाई-लिखाई करवाने में कोई कसर नहीं रखी थी वैसे ही बेटे ने भी मेहनत से कभी जी नहीं चुराया था। नतीजन वह सॉफ्टवेयर इन्जीनियर बन कर बैंगलौर में सेटल हो गया। कुछ दिनों बाद ही अपनी सहकर्मी से शादी भी कर ली। अपना जीवन अपनी मर्जी से जीता है, माता-पिता की कभी खैर-खबर भी नहीं लेता। माता-पिता कभी कहते कि बेटा! कुछ दिनों के लिए हमारे पास भी आ जाओ तो समयाभाव की बोल कर इतिश्री कर लेता।

आखिरकार माता-पिता ने आपसी सहमती से अपनी सारी जमापूँजी वृद्धाश्रम को दान करने का मानस बनाकर, वहीं रहने भी लगे।

जब इस बात का बेटे को पता लगा तब तुरंत चला आया, आकर पिता से बोला-

'आपकी जमापूँजी पर केवल मेरा अधिकार है, वह मुझे ही मिलनी चाहिए।'

तब पिता बोले- कौनसा अधिकार? जिसको कर्तव्य याद नहीं ,उसके द्वारा अधिकारों की माँग करना, ऐसे लगता है जैसे द्वार पर कोई भिखारी खड़ा हो।

गजल
किरण यादव

वो तो इक दीवाना है
उसको क्या समझाना है

कुछ खोना, कुछ पाना है
जग का ताना - बाना है

ये दुनिया कुछ और नहीं
एक मुसाफ़िरख़ाना है

राजा, रंक, गृहस्थ, फ़क़ीर
इक दिन सबको जाना है

अपनी तो क़िस्मत में ही
हर दिन धोखा खाना है

चांदनी केशरवानी सुगंधा

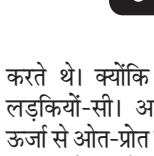

दिव्य प्रेम की धारा

अंतस में बहती जिसके बस, दिव्य प्रेम की धारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

कृष्ण साधना पूरी तब ही,जब राधे का गान हुआ।
प्रेम-दिवानी मीरा के हित,विष भी अमृत पान हुआ।
मन-नौका को प्रेम-सिंधु के, जिसने बीच उतारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

राधे के बिन सदा अधूरे,सबको ही घनश्याम दिखे।
सीता ने जब दर्पण देखा, तब तब ख़ुद में राम दिखे।
शबरी जैसे प्रबल प्रेम का ,जिसने लिया सहारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

वैदेही का त्याग-समर्पण, राम-कथा का सार बना।
सच्चाई ने छल को जीता, दीवाली त्योहार बना।
पावन प्रणय-भाव से चमके जिसका हृदय सितारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

पं. कमलकांत भारद्वाज

वक़्त ख़राब चल रहा था महंगी घड़ी ख़रीद ली
मुझे दोस्ती के लायक़ ना समझा और महोब्बत ख़रीद ली

मैं इतना परेशान हो चुका था ज़िंदगी में
सब कुछ बेच दिया और ज़हर की शीशी ख़रीद ली

मेरी नज़रों में अब गिर चुके है वो लोग
जिसने ईमान बेच दिया और सियासत ख़रीद ली

हमें अब डर नहीं लगता किसी का जनाब
हम वो हैं जिसने कफ़न बेच दिया और मौत ख़रीद ली

तवायफ़ से रूबरू हुए थे हम एक बार
पता चला कि उसने जिस्म बेच दिया और रूह ख़रीद ली

इतना रोए हैं एक शख़्स की याद में 'कमल'
नींद चैन सब बेच दिया और उसकी यादें ख़रीद ली।

राज ख्यालिया

विकास या विनाश

हरी-भरी थी धरती अपनी, पेड़ों से थी इसकी शान,
अब मशीनें चलने लगीं, कट रहे हैं सबके प्राण।

जंगल की छाँव थी जहाँ, थे पंछियों के मीठे बोल,
अब वहाँ बस शोर है, धूल और है बस कोलाहल।

भालू, हिरण, हाथी, गिलहरी सब कहाँ जाएँ?
घर उजाड़ कर उनका, हम क्या ही ऐसे पाएंगे

आईटी पार्क बनेगा, ऊँची इमारतें होंगी खड़ी,
पर किस कीमत पर? क्यों धरा पर ये ग़लती बड़ी?

कहो ये कैसा विकास है, जिसमें जीवन ही मिटे?
कैसी ये रौशनी कैसा उजाला जब साया भी कटे?

संभल जा ए खुदगर्ज इंसान, अब भी समय है,
जंगल के संग खुद को बचा यही असली विजय है।

साहित्यकार एवं कवि डा. अशोक अत्री का इस आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौती को लेकर कहना है कि आज खासतौर से हरियाणवी साहित्य बदलाव के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस बात की आवश्यकता है कि साहित्य में गहन अध्ययन मनन करने से ही समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करने पर फोकस होना चाहिए, ताकि समाज में तेजी से उभरती कुरीतियों को दूर करने में मदद मिल सके।

साक्षात्कार
ओ.पी पाल

समाजहित में साहित्यिक अध्ययन का खास महत्व : डा. अशोक अत्री

साहित्य के क्षेत्र में गद्य और पद्य दोनों विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे लेखक समाज को नई दिशा देने के मकसद से अपने रचना संसार को दिशा दे रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में शिक्षाविद् डा. अशोक कुमार अत्री भी अपनी लेखनी से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों के अलावा प्रकृति, पर्यावरण और सभ्यता तथा रीति-रिवाजों को अपनी रचनाओं में समाहित करके संस्कृति के संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। एक शिक्षक के रूप में वे कॉलेज में सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए युवा पीढ़ी को साहित्य से जुड़े रहने सीख देकर उन्हें विशेष रूप से हरियाणवी संस्कृति के देश विदेशों में बढ़ते प्रचार एवं प्रभाव का मौका दे रहे हैं।

हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डा. अशोक कुमार अत्री ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कुछ ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें साहित्य समाज को सकारात्मक संदेश देने में सक्षम है। हरियाणा के कैथल स्थित आरकेएसडी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर डा. अशोक कुमार अत्री का जन्म 09 जनवरी 1974 को जींद जिले के गांव ऐचरा खुर्द में मामन राम व शांति देवी के घर में हुआ। उनका यह गांव साहित्यिक चेतना के स्थल के रूप में समृद्ध एवं प्रसिद्ध रहा है। अशोक के दादा पं ज्ञानीराम क्षेत्र के प्रसिद्ध गायक रहे हैं, तो उनकी दादी भी लोक सत्संग में लीन रहती थी। उनके पिता पं मामनराम एवं चाचा पं राजेंद्र शास्त्री रामलीला के मंजे हुए कलाकार रहे हैं। मसलन उनके परिवार में साहित्य और सांस्कृतिक माहौल रहा है लेकिन उनका साहित्यिक सफर बहुत बाद में शुरू हुआ यानी शिक्षण कार्य में आने के बाद ही उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि उन्हें लेखन करना चाहिए।

उनका पहला कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' जिसमें उनके जीवन संघर्ष से जुडी यादें समाहित है और इसकी थीम कविता 'वो दिन' एक लम्बी कविता है। इस संग्रह में जीवन के विभिन्न आयामों से सम्बंधित कविताएं शामिल हैं। विशेष रूप से हरियाणावी संस्कृति एवं उसके विभिन्न पक्षों को भी इसमें समायोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि जब उनके चचेरे भाई आनंद को उनके द्वारा लेखन करने का पता लगा, तो उन्होंने अपना पब्लिकेशन शुरू किया एवं उनके कविता संग्रह की हजारों प्रतियाँ छाप दी। उन्होंने गांव का तालाब कविता का जिक्र करते हुए बताया कि ग्रामीण समाज में तालाब गांव की जीवन रेखा होते थे, कपडे धोना, नहाना, पशुओं को नहलाना, महिलाओं के द्वारा रीति रिवाज़ सभी इससे जुड़े होते थे, लेकिन अब ये ऊझाड, बेजान पड़े हैं, कब्जाग्रस्त हैं इसलिए यह मुद्दा भी सामाजिक सरोकार से जुड़ा है। इसी प्रकार बदलते परिवेश में सामाजिक और तीज त्यौहार व रीति रिवाज की चर्चा को लेकर भी उनके लेखन का फोकस रहा है। मसलन महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' एक और अन्य महत्वपूर्ण रचना में उन्होंने समकालीन समय में गांधी के आदर्शों के प्रति जनता की उदासीनता को उजागर किया है। इसके अलावा प्रकृति से जुड़ी कविताओं में पर्यावरण की समस्या को उठाया गया है। वहीं समाज की सजगता के लिए पति-पत्नी सम्बन्धों, नौजवानों और बच्चों पर भी उन्होंने कविताएं लिखी हैं। जीवन में उतार चढ़ाव आना भी स्वाभाविक है और उनके सामने भी स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याएं उभरी और घबराहट से बचने का अलग तरीका ढूंढने लगा। कविता लेखन के साथ कहानी भी लिखना शुरू किया, तो राहत मिली। इसके बाद उनका कहानी संग्रह 'फिर सुबह' और उसके बाद कविता संग्रह 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर' प्रकाशित हुआ।

उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं, एक शिक्षक के रूप में महाविद्यालय में आज भी उनके पास सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी हैं, जिसमें महाविद्यालय राज्यस्तरीय रत्नावली कार्यक्रम का विजेता होने के कारण वह हरियाणवी संस्कृति पर ज्यादा जोर देते आ रहे हैं। नई पीढ़ी को वे विशेषरूप से सांग, रिचवल, चौपाल, नृत्य को विशेष तवज्जो एवं फुलझड़ी एवं बिंदरवाल बनाना जैसी विधाएं सिखा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. अशोक कुमार अत्री की प्रकाशित प्रमुख पुस्तकों में कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' और 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर', कहानी संग्रह 'फिर सुबह' के अलावा पुस्तक 'भारत एवं मध्य एशिया के गणराज्य' हैं। जबकि उनकी दो कृति यानी रचना 'ये कौन छायाकार है' और एवं 'यात्रा वृत्तांत' प्रकाशनाधीन है। उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं उनकी महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' भी सुर्खियों में रही है।

डा. अशोक कुमार अत्री

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार डा. अशोक अत्री को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनकी पुस्तक के लिए प्रकाशन प्रोत्साहन के लिए नकद राशि दी है, तो वहीं उन्हें साहित्य सभा कैथल से बीबी भारद्वाज समृति सम्मान, हरियाणा संस्कृत अकादमी से प्रशस्ति पत्र, अग्रवाल सभा कैथल से साहित्य सम्मान, डीएवी महाविद्यालय करनाल से सांग विधा के प्रचार प्रसार के लिए सम्मान जैसे अनेक पुरस्कार व सम्मान से नवाजा गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. अशोक कुमार अत्री
जन्मतिथि : 09 जनवरी 1974
जन्म स्थान : गांव ऐंचरा खूर्द, जींद (हरियाणा)
शिक्षा : बी.ए, बी.एड. एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
संप्रति : असिस्टेंट प्रोफेसर(राजनीतिक शास्त्र), लेखक, साहित्यकार

संस्कृति व आस्था का प्रतिबिंब 'श्री श्याम महिमा'

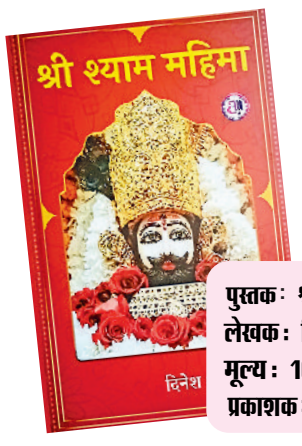

पुस्तक : श्री श्याम महिमा
लेखक : दिनेश शर्मा 'दिनेश'
मूल्य : 160 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन

पुस्तक समीक्षा
ललित शर्मा

श्री श्याम महिमा दिनेश शर्मा 'दिनेश' द्वारा लिखित एक उत्कृष्ट पुस्तक है जो भारतीय संस्कृति, सभ्यता और धार्मिक आस्थाओं का संपूर्ण परिचय प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक में न केवल भारत की धार्मिक धरोहरों का विस्तार से वर्णन किया गया है, बल्कि श्री श्याम के आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। अपनी गहन अध्ययनशीलता और संवेदनशीलता के साथ लेखक ने इस कृति को तैयार किया है, जो न केवल भक्तों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि सामान्य पाठकों के लिए भी उपयोगी है। पुस्तक में कुल छह खंड हैं, जो विभिन्न पहलुओं पर आधारित हैं।

भारत एक परिचय - इस खंड में लेखक ने भारत की भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की है। यह खंड भारत की विविधता, उसकी एकता और समृद्ध इतिहास का संक्षिप्त विवरण देता है।

सभ्यता संस्कृति और भारत - इस खंड में लेखक ने भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और उसके मूल्यों पर विचार किया है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, जिसमें विविध संस्कृतियों और धर्मों का समावेश है, का प्रभावी चित्रण किया गया है।

भारत के पवित्र तीर्थ एवं धाम - यह खंड विशेष रूप से तीर्थों और भारत के पवित्र स्थलों पर केंद्रित है। यहाँ लेखक ने भारत के विभिन्न तीर्थस्थलों की पवित्रता और उनके धार्मिक महत्व का वर्णन किया है। पुस्तक का यह हिस्सा पाठकों को भारत के धामों की यात्रा करवाता है।

ऐतिहासिक संदर्भों में श्री श्याम - इस खंड में श्री श्याम जी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला है। ऐतिहासिक स्रोतों और ग्रंथों के माध्यम से श्री श्याम जी के अस्तित्व और उनके योगदान का विवेचन किया गया है।

लौकिक संदर्भों में श्री श्याम - इसमें लेखक ने श्री श्याम जी के लौकिक जीवन, उनके विचारों और कर्मों के प्रति समाज में फैले विश्वास का वर्णन किया गया है।

सुप्रसिद्ध श्री श्याम तीर्थ - यह खंड विशेषकर हरियाणा के श्री श्याम के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों पर केंद्रित है। लेखक ने उन स्थलों का विशेष विवरण दिया है।

कुल मिलाकर, यह पुस्तक भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं को समझने के लिए एक आदर्श कृति है। यह पुस्तक निश्चित रूप से उन सभी पाठकों के लिए लाभकारी होगी जो भारतीय धार्मिक परंपराओं और श्री श्याम जी के आध्यात्मिक महत्व को गहराई से समझना चाहते हैं। लेखक दिनेश शर्मा को उनके इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

गुरु जी ने आज के दिन हजारों की संख्या में से एक-एक करके 5 सिरो की मांग की थी

खालसा पंथ सर्जना दिवस को बड़ी ही श्रद्धा के साथ मनाया

वैशाखी पर्व और खालसा पंथ सर्जना दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज भिवानी

भिवानी गुरुद्वारा सिंह सभा की संगत की तरफ से वैशाखी पर्व एवं खालसा पंथ सर्जना दिवस को बड़ी ही श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री गुरुद्वारा परिसर में श्री सुखमनी साहिब पाठ के भोग डाले गए व शब्द कीर्तन उपरांत लंगर भी बताया गया। इससे पूर्व गुरुद्वारा साहिब में लगे निशान साहिब का चोला बदला गया। जिसकी सेवा इंदरमोहन की और से की गई थी।

■ गुरुद्वारा साहिब में लगे निशान साहिब का चोला बदला

गुरुद्वारा साहिब के मुख्य ग्रंथि प्रेम सिंह ने बताया कि बैसाखी वाले दिन श्री आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की सिर्जना करके दशम पिता श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने एक क्रांतिकारी संदेश दिया था तथा भारत देश की जनता में एक नई आत्मा डाली थी। गुरु जी ने आज के दिन हजारों की संख्या में से एक-एक करके 5 सिरो की मांग की थी। बाद में इन सिखों को अपने हाथों से अमृतपान करवा कर पांच प्यारों की उपाधि दी थी और खालसा पंथ की स्थापना की। इन पांच प्यारों में भाई दयासिंह , भाई धर्म सिंह, भाई साहिब सिंह,भाई मोहकम सिंह व भाई हिम्मत सिंह शामिल थे। इसी कड़ी में पुरानी देवसर चुंगी स्थित गुरद्वारा सिंह सभा मे भी सुखमनी साहिब के पाठ का भोग डाला गया व शब्द-कीर्तन के बाद लंगर भी चलाया गया।

भिवानी। लंगर तैयार करते हुए व अरदास मे शामिल होते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

इस अवसर पर सरदार इंद्रमोहन सिंह , बलविंदर सिंह, अवतार सिंह, संजय अग्रवाल ,मनप्रीत खन्ना ,भरत कामरा ,विजय कुमार, प्रेम कुमार मुटरेजा, कमलदीप सिंह, बलदेव सिंह फोरमैन ,खरेतीलाल बत्रा, इंदु बाला ,अमरजीत कौर ने सेवा की।

भिवानी। आयोजित बैठक को संबोधित करता एक वक्ता। फोटो :हरिभूमि

ज्योतिबा फुले जयंती को लेकर सैनी कल्याण परिषद की बैठक आयोजित

भिवानी। महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर 14 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर सैनी कल्याण परिषण की बैठक हनुमान ढाणी स्थित सैनी धर्मशाला में परिषद के प्रधान भूप सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। यह जानकारी देते हुए एडवोकेट संदीप सैनी ने बताया कि जयंती समारोह के सफल आयोजन को लेकर कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार की गई तथा सभी को जिम्मेवारी सौंपी गई। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन हनुमान जोहड़ी मंदिर प्रांगण में दोपहर 12 बजे महंत डा. अशोक गिरी व महंत चरण दास महाराज के सानिध्य में किया जाएगा। जिसमें मुख्यअतिथि राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा होंगे, समारोह की अध्यक्षता विधायक घनश्याम सर्राफ करेंगे। स्वागत अध्यक्ष परिषद के प्रधान भूप सिंह सैनी होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक, यस वैलफेयर ट्रस्ट रोहतक के प्रधान देवेन्द्र सैनी, समाजसेवी परमानंद सैनी, पार्षद प्रतिनिधि पवन सैनी, सैनी सभा हनुमान ढाणी प्रधान औमप्रकाश सैनी उपस्थित होंगे।

सांसद रामचन्द्र जांगड़ा होंगे मुख्यातिथि

खबर संक्षेप

दूल्हेड़ी में निकाली गई शोभायात्रा, जागरण

तोशाम। क्षेत्र के गांव दूल्हेड़ी में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर शनिवार देर रात्रि तक मंगल कंक्रीट प्रोडक्ट के संचालक तथा पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल ने शोभा यात्रा निकलवाई तथा रात्रि में जागरण आयोजित करवाया गया वहीं रविवार को गांव दूल्हेड़ी में स्थित मंगल कंक्रीट फैक्ट्री के प्रांगण में भंडारा तथा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान शोभायात्रा में अद्भुत झांकी तथा रात्रि के दौरान आयोजित जागरण में पहुंचे गायक कलाकारों ने समां बांध दिया।

इनेलो की जिला स्तरीय बैठक कल

भिवानी। इंडियन नेशनल लोकदल द्वारा संगठन की मजबूती के लिए लगातार कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत बैठकों का आयोजन कर कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इनेलो से जोड़ा जा सकें। प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा भी सभी को मार्गदर्शित करने के लिए बैठकें लेकर दिशा-निर्देश दिए जा रहे है। 15 अप्रैल को जाट धर्मशाला में इनेलो की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया जाएगा।

फसल कटाई का नहीं सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का भी अवसर है बैसाखी पर्व : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

बैसाखी पर्व पर जेसीआई भिवानी स्टार ने एक अनोखी पहल करते हुए गौसेवा कर इस पर्व को खास अंदाज में मनाया। यह जानकारी देते हुए जेसीआई भिवानी स्टार के मीडिया प्रभारी कपिल शर्मा ने बताया कि संगठन के सदस्यों ने स्थानीय हालुवास गेट फाटक पार स्थित नंदीशाला में पहुंचकर गुड व हरा चारा की सवामणी लगाकर गौसेवा की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने गौसेवा के महत्व को समझते हुए इसे अपने जीवन में अपनाने की शपथ ली। उन्होंने बताया कि जेसीआई भिवानी स्टार जल, पर्यावण संरक्षण के साथ-साथ पशु-पक्षी की सेवा व संरक्षण की दिशा में समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित करता रहता है, ताकि युवा पीढ़ी को भी इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा सकें। इस मौके पर जेसीआई भिवानी स्टार के प्रधान जेसी संदीप अग्रवाल ने कहा कि बैसाखी केवल फसल कटाई का पर्व नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी को निभाने का भी अवसर है। इस अवसर पर पैटर्न जेसी गोपाल अग्रवाल, आईपीपी भारत गुप्ता, प्रधान जेसी संदीप अग्रवाल, महासचिव जेसी श्याम अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बीपीएचओ ने चलाया कैलेंडर वितरण अभियान

समाज की एकजुटता, पहचान और जागरूकता का प्रतीक है कलेंडर : मामनचंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भारतीय प्रजापति हीरोज ऑर्गेनाइजेशन (बीपीएचओ) के पदाधिकारियों प्रदेश अध्यक्ष नरेश प्रजापति, भिवानी नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन मामनचंद प्रजापति व बीपीएचओ के सह संस्थापक रमेश टांक के नेतृत्व में रविवार को गांव झज्जर घाटी में बीपीएचओ के वार्षिक कलेंडर के वितरण का अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर लोगों को कलेंडर वितरित किए तथा उन्हे बीपीएचओ की उद्देश्यों से अवगत करवाया। इस मौके पर मामनचंद प्रजापति ने कहा कि बीपीएचओ का उद्देश्य हमेशा से समाज उत्थान में अपनी अहम भूमिका निभाना तथा समाज के अन्य युवाओं को भी इस दिशा में प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि सामाजिक उत्थान के साथ-साथ समाज की राजनीतिक भागीदारी के लिए भी संगठनों द्वारा प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने बीपीएचओ की सामाजिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कैलेंडर नहीं, बल्कि समुदाय की एकजुटता, पहचान और जागरूकता का प्रतीक है। इस मौके पर बीपीएचओ के प्रदेश अध्यक्ष नरेश प्रजापति व सह संस्थापक रमेश टांक ने कहा कि बीपीएचओ के कैलेंडर में महापुरुषों, प्रेरणादायक व्यक्तित्वों के ऐतिहासिक योगदानों को दर्शाया गया है, जो कि समाज के गौरव को उजागर करने के साथ युवा पीढ़ी को प्रेरणा देगा। टांक ने कहा कि हर घर में कैलेंडर का होना एकता और जुड़ाव की भावना को मजबूत करता है।

भिवानी। कैलेंडर का विमोचन करते हुए। फोटो :हरिभूमि

इस अवसर पर नरेंद्र प्रजापति सदस्य माटी कला बोर्ड हरियाणा, सुभाष तंवर, विनोद ठकेदार, कृष्ण ठकेदार, रेलु राम, राजबीर प्रधान, सत्यबीर, मामन, संदीप प्रजापति, सोनू युवा प्रधान, बलवीर, पार्षद विनोद सिंहमार, पार्षद नवीन प्रजापति भी साथ रहे।

शिक्षकों को दो दिवसीय कार्यशाला में किया प्रशिक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हलवासिया विद्या विहार में सीबीएसई द्वारा आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत क्रिएटिव एंड क्रिटिकल थिंकिंग विषय से संबंधित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। रोहतक से पधारी सेवानिवृत्त प्राचार्या सुषमा सुहाग तथा दिल्ली पब्लिक स्कूल हिसार से वैदिक गणित विशेषज्ञ एवं लेखिका अच्छरी गर्ग ने संयुक्त रूप से कार्यशाला का संचालन किया। सरस्वती वंदना से कार्यशाला की शुरुआत की गई।

विद्यालय प्रशासन द्वारा दोनों मुख्य वक्ताओं को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत-सत्कार किया गया।

शिक्षकों ने भाषण, गीत,भजन तथा कविताएँ प्रस्तुत की

दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत दोनों रिसोर्स पर्सन ने सहज एवं सरल तरीके से शिक्षकों को प्रोजेक्टर पर वीडियो व हैंडआउट्स के माध्यम से जानकारी देते हुए अनेक प्रश्न पूछे तथा कई प्रकार की 'हैंड्स ऑन' गतिविधियों के माध्यम से भी प्रशिक्षण दिया। रिसोर्स पर्सन द्वारा शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी एवं सभी गतिविधियों को कुशलतापूर्वक पूरा करने के प्रयासों की प्रशंसा की गई। कार्यशाला के पश्चात बैसाखी पर्व एवं हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में शिक्षकों द्वारा भाषण, गीत,भजन तथा कविताएँ प्रस्तुत की गई। विद्यालय प्रशासक डॉ. शमशेर सिंह अहलावत एवं प्राचार्य विमलेश आर्य ने शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन के लिए रिसोर्स पर्सन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों को कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बधाई दी तथा छात्रों के हित में कार्यशाला में बताए गए सभी मुख्य बिंदुओं को कक्षाओं में क्रियान्वित करने के लिए शिक्षकों को संदेश दिया।

विद्यालय के 60 शिक्षकों ने सक्रिय रूप से कार्यशाला में अपनी प्रतिभागिता की। शिक्षकों को प्रशिक्षित करते हुए रिसोर्स पर्सन ने 'क्रिटिकल एंड क्रिएटिव थिंकिंग' के पैरामीटर्स पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि-किस प्रकार से एक शिक्षक छात्रों में एनालिटिकल थिंकिंग, लॉजिकल रीजनिंग, इवेलुएशन, प्रोबलम सॉल्विंग, डिसीजन मेकिंग आदि क्षमताओं का विकास कर उनमे तर्कशक्ति,कल्पना शक्ति, सृजनात्मकता एवं आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ा सकता है। शिक्षकों को स्मार्ट लर्निंग आउटकम्स के साथ छात्रों से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने बताया बताया कि कक्षा में शिक्षक छात्रों को क्रिटिकल थिंकिंग को वास्तविक जीवन की समस्याओं और घटनाओं से जोड़कर सिखाएँ, उन्हें बताएँ कि एक ही समस्या के कई समाधान हो सकते हैं। शिक्षक छात्रों में ग्रुप डिस्कशन डिबेट्स, प्रोजेक्ट वर्क, ब्रेनस्टॉर्मिंग,किसी सामाजिक मुद्दे पर बहस और चर्चाएँ, केस स्टडीज पर आधारित गतिविधियाँ, प्रश्न पूछना, अपनी बात को तर्क के साथ प्रमाणित करना आदि गुणों का विकास करें।

पंचायत उपचुनाव 2025 की मतदाता सूची का किया प्रारम्भिक प्रकाशन : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

■ दावे और आपत्ति दर्ज करवाने के लिए करें आवेदन

एसडीएम कम सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अशवीर सिंह नैन ने कहा कि निर्वाचन आयोग हरियाणा द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार पंचायत उपचुनाव-2025 खण्ड तोशाम की मतदाता सूचि प्रारम्भिक प्रकाशन कर दिया गया है। पंचायत विभाग से मिली जानकारी के अनुसार गांव बादलवाला के वार्ड नं. 01, बजीणा के वार्ड नं. 06, बिडोला के वार्ड नं. 03, ढाणी कतवार के वार्ड नं. 05, लक्ष्मणपुरा के वार्ड नं. 05 में रिक्त पंच पदों को भरने के लिए पंचायत उपचुनाव- 2025 हेतू उक्त पंचायतों को वार्ड वाईज मतदाता सूचि का प्रारम्भिक प्रकाशन 11/04/2025 को कर दिया गया है।

कैरू खण्ड में हरियाणा पंचायती राज निर्वाचन नियम, 1994 के अनुबंधों के तहत पंचायत उप चुनाव हेतु राज्य चुनाव आयोग हरियाणा द्वारा प्रकाशित मतदाता सूची अनुसार हरियाणा पंचायत खण्ड कैरु की ग्राम पंचायत केहरपूरा, ढाब ढाणी व खैरपूरा की समस्त वार्डों की मतदाता सूचियों का प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार हो चुका है। खण्ड कैरु की ग्राम पंचायत केहरपूरा, ढाबढाणी व खैरपूरा की वार्ड वार मतदाता सूचियों का 11.04.2025 को नियमानुसार वार्ड वाईज प्रारम्भिक प्रकाशन कर दिया गया है।

अगर किसी व्यक्ति को इस मतदाता सूची में कोई दावा या आपति है, तो वह सम्बन्धित ग्राम पंचायत में ग्राम सचिव के पास, खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, कैरु या उपमंडल अधिकारी कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में कर सकता है। निश्चित अवधि पूर्ण होने उपरांत किये जाने वाले दावे व आपतियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

नगर परिषद कर्मचारियों को रुका वेतन-भत्ता मिला

नगर पार्षदों ने विधायक का आभार जताया

विधायक सुनील सांगवान ने दरबार लगा सुनी जनसमस्याएं

हरिभूमि न्यूज : चरखी दादरी

नगर परिषद के कर्मचारियों की बकाया वेतन-भत्ते को विभाग के आला अधिकारियों द्वारा करीब एक करोड़ 61 लाख रुपये की राशि मंजूर कर दी गई है। राशि मंजूर होने पर दादरी के नगर पार्षदों ने कर्मचारियों संग विधायक सुनील सांगवान के निवास पर पहुंचकर धन्यवाद किया। इस दौरान विधायक ने अपने कैंप कार्यालय में जनता दरबार लगाकर जन समस्याएं सुनी और निदान बारे अधिकारियों को निर्देश दिए। विधायक सुनील सांगवान ने रविवार को अपने निवास पर लगाए जनता दरबार में हलका से पहुंचे लोगों ने बिजली-पानी, सीवरेज सहित अन्य समस्याओं बारे अवगत करवाया। विधायक ने लोगों की समस्याएं सुनते हुए अधिकारियों को फोन करके समाधान बारे निर्देश दिये।

एक करोड़ 61 लाख रुपये की राशि मंजूर

महिलाओं को दिए अनिमिया और कुपोषण से बचाव नुक्ते

खेल-खेल में बच्चों को सिखाया पढ़ना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन के कुशल मार्गदर्शन में खेल खेल में बच्चों को पढना सिखाया और महिलाओं को अनिमिया और कुपोषण से बचाव के लिए बेहतर नुक्शे दिए गए। बता दें कि महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में गांव बुसान के प्ले स्कूल में रेडिनेस मेला लगाया।

मेले में गांव की महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। मेले का शुभारंभ सुपरवाइजर पंकज द्वारा किया गया। मेले का मुख्य उद्देश्य प्री स्कूल के स्तर पर बच्चों को शिक्षा सुनिश्चित करना है। यह कार्यक्रम,प्रौद्योगिकी,अभिसरण और सामुदायिक भागीदारी के उपयोग के माध्यम से लक्षित दृष्टिकोण के साथ बच्चों में अचेतनता,कुपोषण, एनीमिया और कम जन्म वजन के स्तर को कम करने का प्रयास करता है। साथ ही किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं पर भी ध्यान केंद्रित करता है। इस प्रकार कुपोषण को समग्र रूप से आन लाइन प्लेट फार्म प्रणाली के जरिये भी पोषण अभियान पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी जा रही है।

तोशाम। खेल खेल में बच्चों को पढाई की शिक्षा देते हुए। फोटो :हरिभूमि

कुपोषण मुक्त भारत की शपथ दिलाई

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि इस अभियान के जरिये व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। जहां प्ले स्कूल अध्यापिका ने महिलाओं को प्ले स्कूल में होने वाली गतिविधियों जैसे शारीरिक विकास, सामाजिक विकास, भावनात्मक विकास,भाषा और गणित विकास के बारे विस्तार से बताया। इसके अलावा खेल व शिक्षा सामग्री से अवगत करवाते हुए बताया कि प्ले स्कूल में बच्चों को भयमुक्त, आनंदपूर्ण वातावरण में रखते हुए उन्हें पूर्ण रूप से स्कूल के लिए तैयार करेंगे। इस प्ले स्कूल के माध्यम से बच्चों को पढ़ना लिखना सिखाया जाएगा। सुपरवाइजर पंकज द्वारा पोषण अभियान के तहत महिलाओं को कुपोषण मुक्त भारत बनाने की शपथ दिलाई गई और बच्चों का वजन व लंबाई दर्ज की। इस आयोजन में फिरदोश, नीता , गीता सहित अन्य गणमान्य महिलाएं और बच्चे शामिल हुई।

कार्यक्रम भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम सपन्न

नैतिकता, सहिष्णुता और करुणा का मार्ग ही मानवता की सच्ची सेवा : सर्राफ

विधायक घनश्याम सर्राफ ने समाज के उत्थान के लिए कुल 33 लाख रूपये की राशि की भेंट

हरिभूमि न्यूज,भिवानी

भगवान महावीर जयंती ना केवल एक धार्मिक उत्सव है, बल्कि यह जीवन के उन सिद्धांतों और आदर्शों का स्मरण भी कराती है जिन्हें भगवान महावीर ने स्थापित किया था। इसी कड़ी में भगवान महावीर के जीवन आदर्श से प्रत्येक जन को रूबरू करवाने के उद्देश्य से भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में जैन समाज के तीनों प्रमुख घटक श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, श्री दिगंबर जैन समिति एवं श्री एसएस जैन सभा भिवानी द्वारा भिवानी में तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बता दे कि करीबन 25 वर्षों बाद ऐसा अद्भुत संयोग देखने को मिला है, जब भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन देखने को मिला। तीन दिवसीय कार्यक्रमों की शुरूआत नया बाजार स्थित जैन मंदिर से हुई, जहां पर भगतांबर विधान के पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें जैन समाज के सभी गणमान्य लोगों ने शिरकत की। इसके उपरांत दूसरे दिन प्रेक्षा विहार में अंतर्राष्ट्रीय नमस्कार महामंत्र दिवस तथा स्थानीय कोर्ट परिसर के नजदीक स्थित जैन स्थनाक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें भगवान महावीर द्वारा दी गई शिक्षाओं को कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया। वही तीसरे दिन सुबह प्रभात फेरी निकाली, उसके बाद भगवान महावीर की पालकी यात्रा एवं शाम को नया बाजार स्थित जैन मंदिर के नजदीक वाटिका में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्यअतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक घनश्याम सर्राफ एवं भिवानी नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने शिरकत की। इस दौरान विधायक घनश्याम सर्राफ ने जैन समाज के तीनों घटकों को 11-11 लाख रूपये की राशि भेंट स्वरूप दी, जिसका प्रयोग समाज उत्थान की दिशा में किया जाएगा।

भिवानी। महाबीर जयंती कार्यक्रम में उत्सव में उपस्थित महिलाएं।

भगवान महावीर की शिक्षाओं को अपनाएं

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री एवं विधायक घनश्याम सर्राफ एवं नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने कहा कि भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से हमे उनके महान आदर्शों और शिक्षाओं का स्मरण होता है, जो ना केवल व्यक्तिगत उत्थान में सहायक है बल्कि समाज और विश्व में शांति, समानता और सह-अस्तित्व की स्थापना के लिए भी मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यह उत्सव हमें हमेशा यह याद दिलाता है कि नैतिकता, सहिष्णुता और करुणा का मार्ग ही हमें सच्चे अर्थों में मोक्ष और मानवता की सेवा की ओर अग्रसर करता है।

खबर संक्षेप

भिवानी। आयोजित सत्संग में उपस्थित श्रद्धालु।

ब्रह्म के एहसास से मन काबू में आता : धमीजा

भिवानी। आज हांसी गेट स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में सत्संग का आयोजन किया गया जिसमें हिसार से पधारे हुए संत रमेश धमीजा ने अध्यक्षता करते हुए सतगुरु माता सुदीक्षा का आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने फ़रमाया कि इंसान के अंदर नेकी और बड़ी जन्म से नहीं होती बल्कि कर्म से होती है । अच्छाई को धारण करना कठिन है लेकिन धारण करने के बाद उसे पर चलना आसान हो जाता है और बुराई को धारण करना आसान है लेकिन उसके साथ चलना कठिन होता है। नेकी के साथ जीवन सुंदर और सुगम हो जाता है।

हनुमान कौशिक ने की मंत्री से मुलाकात

भिवानी। गांव मानहेरू में हनुमान जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित हुए कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा से म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने शिष्टाचार मुलाकात कर गांव उमरावत में निर्माणाधिन सूर्य कवि पंडित लख्मीचंद आश्रम के बारे में विस्तार से चर्चा की। हनुमान कौशिक ने कहा कि सूर्य कवि पंडित लख्मीचंद के नाम से गांव उमरावत में निर्माणाधिन आश्रम एक ऐसा भवन होगा जिसमें पूरे देश के सभी कवियों की पुस्तकें स्थापित की जाएंगी।

मानसिक शांति के लिए आध्यात्म जरूरी: सुमित्रा

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धि धाम में साप्ताहिक आध्यात्मिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बोलते हुए शाखा प्रबंधक राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने कहा कि आध्यात्म के बिना हमारा जीवन निरर्थक है। हमें अपने जीवन में आध्यात्म को अपनाना चाहिए। आध्यात्म से ही हम अपनी मानसिक व आत्मिक शांति को प्राप्त कर सकते हैं। बीके सुमित्रा ने कहा कि आज मनुष्य आधुनिकता की चमचमाहट में इतना व्यस्त हो गया है कि वह अपने अस्तित्व को भूलता जा रहा है।

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

बाबा साहेब का जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणा स्त्रोत

युवा पीढ़ी उनके आदर्शों को अपनाकर समतामूलक समाज के निर्माण में दे योगदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

भिवानी-महेन्द्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने रविवार को बावड़ी गेट स्थित शिव धानक धर्मशाला में आयोजित भव्य बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। जहां उन्होंने बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर के महान विचारों, भारतीय संविधान निर्माण में उनके योगदान और सामाजिक समानता के लिए किए गए संघर्षों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। सांसद ने कहा कि बाबा साहब का जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणास्त्रोत है। आज की युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों को अपनाकर एक समतामूलक समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

नई चेतना जागृत की

कार्यक्रम के दौरान बाबा साहब की नीतियों और विचारों पर गहन मंथन किया गया, तथा उपस्थित जनसमूह ने उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। समारोह में क्षेत्र के अनेक प्रबुद्धजन, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और उन्होंने बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन अनुशासित, गरिमामय और विचारोत्तेजक वातावरण में संपन्न हुआ। जिसमें उपस्थित सभी लोगों के मन में सामाजिक समरसता और संविधान के मूल्यों के प्रति एक नई चेतना जागृत की गई। लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने इसके बाद गांव कितलाना स्थित बाबा संध्या नाथ गौशाला में आयोजित शिलान्यास एवं भंडारा कार्यक्रम में भी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने गौशाला परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा गौसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का वातावरण भक्तिभाव,सामूहिक सहभागिता और सामाजिक समरसता से परिपूर्ण रहा। जिसमें ग्रामीण जीवन में एक नई ऊर्जा और विश्वास का संचार किया गया। कार्यक्रम के पश्चात सांसद ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर जनमानस के साथ आत्मीयता से संवाद स्थापित किया। सांसद ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी भी साझा की। इस विशेष अवसर पर क्षेत्र के अनेक प्रबुद्धजन, समाजसेवी, गौभक्त तथा गणमान्य ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शहीद गुलाब सिंह पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया

विधायक व चेयरमैन की अध्यक्षता में चलाया गया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के शहीद गुलाब सिंह पार्क में डॉ. भीमराम अंबेडकर जयंती के अवसर पर स्वच्छता अभियान चलाते हुए। फोटो :हरिभूमि

बवानी खेड़ा के शहीद गुलाब सिंह पार्क में डॉ. भीमराम अंबेडकर जयंती के अवसर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें विधायक कपूर वाल्मीकि, नपा चेयरमैन सुंदर अत्री, बीडीपीओ कार्यालय से टीम सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं व समाजसेवियों ने हिस्सा लिया। विधायक कपूर वाल्मीकि, नपा चेयरमैन सुंदर अत्री ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री के आदेशानुसार डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर रविवार को सुबह 9 से 11 बजे तक डीएलटीएफ व एसबीएम जी स्थानीय नागरिक और छात्रों के सथ स्वच्छता अभियान का आयोजन करने के आदेश प्राप्त किए और सभी ने इसमें हिस्सा लेकर इसे कार्यक्रम को सफल बनाया और आसपास सफाई रखने के लिए भी प्रेरित किया।

हुजूर परमानंद साहेब कमाई के धनी थे : बाबू साहेब

भिवानी। आनंद परमानंद सतगुरू मगनानंद साहेब सत्संग आश्रम निगाणां में पूर्णिमा पर सत्संग व भंडारे का आयोजन सतगुरू बाबू साहेब के सानिध्य में किया गया। सतगुरू बाबू साहेब ने बताया कि आनंद पंथ के दाता हुजूर परमानंद साहेब कमाई के धनी थे और कमाई करके आनंद नाम को प्रगट किया तथा महात्मा मगनानंद साहेब ने दूर-दूर तक सइ नाम रूपी सागर को बहाया। बाबू साहेब ने बताया कि ये मार्ग भक्ति और प्रेम का मार्ग है। जिस पर हम चलकर भवसागर से पार हो सकते हैं।

इस अवसर पर निगाणा खुर्द के महाराज दयाकिशन अपनी संगत के साथ उपस्थित। सत्संग में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और दूर-दूर से संगत आई।

नि:शुल्क शिविर में जांचा 174 लोगों का स्वास्थ्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

संविधान निमार्ता बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को लाइफ लाइन मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल एवं श्री दक्ष प्रजापति सेवा समिति द्वारा हनुमान गेट कुम्हारों का महोल्ला में नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया।

लाइफ लाइन मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल के मैनेजर रत्न तंवर ने बताया कि शिविर में फिजिशियन डा. विपुल कुमार, ईएनटी सर्जन डा. साकेत जैन, नेत्र विशेषज्ञ डा. गौरव, अस्पताल पीआरओ बिजेंद्र लैब टैक्नीशियन राकेश सहित स्टाफ सदस्य संदीप, संजय आयुष का विशेष योगदान रहा। उन्होंने बताया कि शिविर में रक्तचाप, शुगर, नेत्र जांच सहित सामान्य बीमारियों के 174 मरीजों की जांच कर उन्हे परामर्श व दवाईयां जैसी सेवाएं भी निःशुल्क प्रदान की गई। रत्न तंवर ने कहा कि बाबा साहेब की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित शिविर में ना केवल उन्हे श्रद्धांजलि दी, बल्कि उनके द्वारा बताए गए मानव सेवा और समता के मार्ग पर चलने का भी संदेश दिया। श्री दक्ष प्रजापति सेवा समिति के प्रधान बबलू प्रजापति ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज में समानता और अधिकारों की बात की थी।

पपोसा में मनाई बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती

बाबा साहेब ने परिस्थितयों के सामने कभी नहीं मानी हार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

नेहरू युवा केंद्र भिवानी के तत्वाधान में प्रेम शांति वेलफेयर समिति द्वारा गांव जमालपुर और पपोसा में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई गई । इस अवसर पर प्रेम शांति वेलफेयर सोसाइटी के प्रधान भगत सिंह द्वारा सबसे पहले अंबेडकर प्रतिमा के आसपास सफाई करवाई उसके बाद बाबा साहब की प्रतिमा पर फूल माला डाली गई।

संस्था के प्रधान भगत सिंह ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जीवनी, उनका संघर्ष यूथ क्लब के सदस्यों को बताया। अगर आज के समय पर किसी व्यक्ति को समझ में कोई बदलाव करना है तो उसे बहुत आसपास के लोगों की बातें सुननी पड़ती है सब उसे मना करते हैं कि यह नहीं हो सकता और वह छोड़ देता है लेकिन आप सोचो कि उसे समय भी बाबा भीमराव अंबेडकर को कितने लोगों द्वारा दबाया गया होगा कि ऐसा मत करो लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और सब के हित में संविधान की रचना की । सभी सदस्यों ने संविधान की उद्देशिका कि शपथ ली उसके बाद उसके बाद प्रतिमा से शुरू होकर गांव जमालपुर और पपोसा में एक पदयात्रा निकल गई।

रक्तवीरों को किया सम्मानित

अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर एक मंच पर सर्व समाज को किया सम्मानित : डॉ. राजेश

डॉ. अम्बेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर 15वां रक्तदान आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए।

सम्मान एक प्रयास समिति के संस्थापक व अध्यक्ष डा. राजेश कुमार की अध्यक्षता में गाँव बलियाली के एमआरएस स्कूल में डॉ. अम्बेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर 15वां रक्तदान, स्वास्थ्य जाँच शिविर एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्ष ने बताया कि रक्तदान शिविर का शुभारम्भ मुख्यातिथि रामधारी खिची एक्सन बिजली विभाग पंचकुला, विशिष्ट अतिथि डॉ. सुखबीर सिंह लोहारू कॉलेज, डॉ. अजीत कुमार जांगड़ा भिवानी कॉलेज, डॉ. राजेन्द्र परमार चरखी दादरी कॉलेज, सरवर सांगवान पूर्व अध्यक्ष छात्र संघ भिवानी, डॉ. राकेश वशिष्ठ गुडलक हेल्थकेयर भिवानी एवं प्रेम कुमार मित्तल समाजसेवी भिवानी ने रिब्बन काटकर किया। उन्होंने रक्तवीरों को बैज लगाकर व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। स्वास्थ्य जाँच शिविर का शुभारम्भ गाँव बलियाली एवं रामुपुरा के वरिष्ठतम महिला दडका उम्र 97 वर्ष, बख्तावरी उम्र 95 वर्ष एवं पुरुष नानूराम उम्र 90 वर्ष, नानटा उम्र 90 वर्ष, और सबसे ज्यादा पढ़ी लिखी अविवाहित बेटी शिल्पा पुत्री शिवदयाल महता एवं सुचेता पुत्री विजय सिंह ने रिब्बन काटकर किया। मुख्य अतिथि रामधारी खिची ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज हित में समय समय पर होने चाहिए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. सुखवीर सिंह ने कहा कि सम्मान समारोह, रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर एक सराहनीय एवं अनुकरणीय कार्य है। डॉ. राजेन्द्र परमार ने कहा कि समिति पुनीत कार्य कर समाज के सभी जाति एवं वर्ग के लोगों को शामिल कर सर्व समाज की एकता एवं अखंडता का संदेश दे रही है जो प्रेम एवं सौहार्द तथा भाईचारा बनाए रखने का संदेश भी दे रही है।

युवाओं ने रक्तदान कर डॉ. भीम राव अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

चरखी दादरी। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में रक्तदान शिविर लगाया। जिसमें युवाओं ने रक्तदान कर श्रद्धांजलि दी गई। जयंती के पूर्व द्विवस गौ सेवक रिम्पी फौगाट व करियर काउंसलर आरसी पूनिया की अध्यक्षता में रक्तदान ने युवाओं को हर प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित किया। स्थानीय कृष्णा ब्लड बैंक पहुंच कर युवाओं ने रक्तदान किया। गौसेवक रिम्पी फौगाट ने कहा कि महा पुरुष किसी जाती विशेष के न होकर सर्व समाज के होते हैं। सभी को एक जुट होकर समाज में एकता का संदेश देना चाहिए। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र के साथ भीम राव अंबेडकर का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए विशेष शिक्षक सुरेन्द्र चौहान ने कहा की भीम राव अंबेडकर केवल एक विराट व्यक्तित्व नहीं बल्कि वो विचारधारा है।

चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के रोवर्स व रेंजर्स ने बैंड व सम्मान गार्ड से राज्यपाल को दी सलामी

नशामुक्त समाज स्वस्थ और समृद्ध समाज की नींव : दत्तात्रेय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। राज्यपाल का स्वागत करते स्काऊट गाइड के सदस्य।

हरियाणा राज्य भारत स्काउट गाइड की शाखा चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुरप द्वारा हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का भिवानी पहुंचने पर ओपन ग्रुप के रोवर्स व रेंजर्स ने बैंड व सम्मान गार्ड द्वारा सलामी दी तथा स्वागत किया। इस दौरान ओपन ग्रुरप के ग्रुप कोर्डिनेटर लक्ष्मण गौड व ग्रुप लीडर सागर सज्जन सिंह, सह ग्रुप लीडर अमित कुमार ने राज्यपाल का स्काऊट कैंप व स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान राज्यपाल ने चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप द्वारा चलाई जा रहे नशा मुक्त अभियान की सराहना की तथा उन्हे भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। यह जानकारी देते हुए चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुरप के ग्रुरप कोर्डिनेटर लक्ष्मण गौड व ग्रुरप लीडर सागर सज्जन सिंह ने बताया कि राज्यपाल के स्वागत में सम्मान गार्ड व बैंड की टुकड़ी का नेतृत्व सीनियर रोवर नितेश कुमार ने किया। वही श्री महावीर जैन सीनियर सैकेंडरी स्कूल की प्राचार्या एवं गाइड कैप्टन पुष्पा देवी ने स्काउट का चिह्न दर्शाया हुआ मंडोला आर्ट राज्यपाल को भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान 64 रोवर्स व रेंजर्स ने राज्यपाल को सलामी से सम्मान दिया। राज्यपाल ने कहा नशामुक्त समाज ही स्वस्थ और समृद्ध समाज की नींव है। इस मौके पर सीनियर रोवर अंकित, सीनियर रोवर हर्ष कुमार, हिमांशु भाटी, धुरव अग्रवाल, विजय अहीरवाल, वंश, पार्थ अग्रवाल, विवेक, रेंजर तमन्ना खुशी आदि उपस्थित रहे।

पूर्वांचल सेवा समिति ने किया 40 विद्यार्थियों को सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम ही है सफलता के चार सूत्र : अजय

प्रतिभाशाली बच्चों के उत्साहवर्धन एवं अन्य बच्चों को भी अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से पूर्वांचल सेवा समिति द्वारा रविवार को स्थानीय बैंक कॉलोनी में राम चौक के नजदीक स्थित अंबेडकर भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि पार्षद अजय ने शिरकत की तथा अध्यक्षता समिति के प्रधान सरबजीत ने की। कार्यक्रम के दौरान पहली से 9वीं कक्षा तक के 40 होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पढने में औसत बच्चे भी अच्छी संगति में रहकर सफल हो जाते हैं तथा अच्छे बच्चे भी कुसंगति में फंसकर बर्बाद हो जाते हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को बुरी संगत से दूर रहते हुए अपने साथी सोच-समझकर चुनने चाहिए। इस अवसर पर प्रधान सरबजीत, उपप्रधान चंद्र किशोर, सचिव, मन पटेल, सह सचिव धर्मेंद्र सिंह, उप सचिव संजीव कुमार, कोषाध्यक्ष मिट्ठु साहु, तारकेश्वर मास्टर आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

रेट ज्यादा होने के कारण क्रेशरों का 60 प्रतिशत से भी कम माल बिक रहा

खानक पहाड़ में महंगे दामों पर पत्थर मिलने से क्रेशर मालिकों ने जताया रोष, सरकार व एचएसआईआईडीसी से पत्थर के रेट घटाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

खानक पहाड़ में एचएसआईआईडीसी द्वारा महंगे दामों पर पत्थर बेचे जाने को लेकर क्रेशर मालिकों में बहुत ज्यादा रोष है। क्रेशर मालिको ने सरकार व एचएसआईआईडीसी से पत्थर के रेट घटाने की मांग की है। रेट ज्यादा होने के कारण क्रेशरों का 60 प्रतिशत से भी कम माल बिक पा रहा है। जिसके कारण क्रेशर मालिकों के साथ-साथ सरकार को भी नुकसान हो रहा है। बढ़े रेट के कारण क्रेशर मालिकों में बहुत ज्यादा रोष है। इस मांग को क्रेशर मालिक मंत्री राव नरवीर व एचएसआईआईडीसी के उच्चाधिकारियों के सामने रख चुके हैं लेकिन समाधान नहीं हो पाया है। क्रेशर मालिक उमेश मंगल, राजीव, अमरसिं सरपंच, रमेश बागनवाला, मदन, नीरज व संजीव नंबरदार ने बताया कि एचएसआईआईडीसी के अफसरों की तानाशाही के कारण क्रेशर मालिक व सरकार को नुकसान हो रहा है। खानक स्थित क्रेशर मालिकों ने अपनी समस्या कुछ दिन पहले एचएसआईआईडीसी के अधिकारियों के सामने रखी थी,लेकिन उनके कानों पर आजतक छू तक नहीं रेंगी है। क्रेशर मालिकों ने बताया कि दादरी व नारनोल में खानक के पत्थर से काफी कम दामों में पत्थर मिल रहा है। कम दामों में पत्थर मिलने के कारण वे क्रेशर मालिक दामों में भवन सामग्री बेच रहे हैं। खानक के पत्थर का भाव ज्यादा होने के कारण तैयार माल ज्यादा भाव मे बेचना पड़ रहा है। क्रेशर मालिकों का कहना है कि भाव ज्यादा होने के कारण खानक के क्रशरों पर पहले से 60 प्रतिशत भी माल नहीं बिक रहा है।

प्रदेश सरकार रॉयल्टी लागू करें

इस बारे में क्रेशर एसोसिएशन के प्रधान भीष्म महता ने बताया कि खानक पहाड़ के पत्थर का भाव बहुत ज्यादा है। साथ लगते दूसरी पहाड़ियों से निकलने वाले पत्थर का भाव काफी कम है। खानक पत्थर का भाव तेज होने के कारण माल बहुत कम बिक पा रहा है। प्रधान ने बताया कि दूसरे राज्यों से पत्थर हरियाणा में आता है तो रॉयल्टी नहीं लगती जबकि दूसरे प्रदेश रॉयल्टी लेते है। हरियाणा प्रदेश सरकार को भी रॉयल्टी लागू करनी चाहिए। पत्थर के भाव कम करवाने के लिए क्रेशर मालिक जल्द ही मुख्यमंत्री व एचएसआईआईडीसी के एमडी से मुलाकात करेंगे। इस बारे में एचएसआईआईडीसी के प्रोजेक्ट मैनेजर संजय मित्तल ने बताया कि मामला संज्ञान में है। उच्चाधिकारियों के पास क्रेशर मालिकों की मांग को भेज रखा है।